डा0 गया प्रसाद ''प्रशान्त''

व्यक्तित्व और कृतित्व

1. नाम – गया प्रसाद ''प्रशान्त''
2. जन्म स्थान – ग्राम– बिद्धिश्यामा, तहसील– मलिहाबाद, जनपद– लखनऊ
3. वर्तमान डाक पता – 552/2, राजेन्द्र नगर, दूसरा मार्ग, लखनऊ–226004
4. शैक्षिक योग्यता – इण्टरमीडिएट (स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने के कारण अगली पढ़ाई छोड़नी पड़ी)
5. होम्योपैथिक शिक्षा – एम0बी0एच0, पंजीकृत सं0– 8808
6. भा"ाओं का ज्ञान – हिन्दी, उर्दू, अंग्रेजी, पालि
7. रचित पुस्तकें: (प्रकाशित)–

पद्य (हिन्दी)

1. अंग्रेजो अब भारत छोड़ो।
2. धर्म की आड़ में।
3. बुद्ध संदेश
4. ओ भूले इंसान
5. वोट की कीमत समझो
6. जय भीम
7. भीम गीतावली।
8. अछूत कौन और क्यों।
9. दलितों का सत्याग्रह आन्दोलन।
10. शो"ाक– शोि"ात संवाद।

गद्य (हिन्दी)

1. भारत पर हमले और विशल रा"ट्रीयता।
2. पंचायती समाज।
3. जनता की सच्ची आवाज
4. बौद्धों की साकेत– अयोध्या।
5. मूलवंश कथा।
6. बाबा साहेब डा0 अम्बेडकर व उनकी रिपब्लिकन पार्टी

7. बाबा साहेब डा0 अम्बेडकर का जीवन संघ"र्ा
8. बाबा साहेब डा0 अम्बेडकर के अनमोल रत्न
9. दलित व पिछड़े, इतिहास के आइने में।
10. आरक्षण
11. उत्तर प्रदेश में दलित मुक्ति आन्दोलन

8. **अप्रकाशित ग्रन्थः** पद्य (हिन्दी)
तथागत बुद्ध के स्वमुख से वर्णित 1000 पृ"ठों का महाकाव्य ''विश्व– प्रकाश''। (बोधिसत्व बाबा साहब डा0 अम्बेडकर की इच्छानुसार)

9. **अप्रकाशित पुस्तकेः** गद्य (हिन्दी)

1. बुद्ध अनुयायी संत रविदास
2. निर्वाणवादी संत
3. दलितों का स्वतंत्रता आन्दोलन
4. जाति मिटाओं जनतंत्र बचाओ
5. अयोध्या एक नयी खोज
6. भगवान बुद्ध की धर्म यात्रा
7. जिन्हें अछूत बनाया गया।
8. बुद्ध–रावण संवाद (रावण की बौद्ध दीक्षा)
9. शो"ाण के विरूद्ध संघ"र्ा
10. शेड्यूल्डकास्ट फेडरेशन से रिपब्लिकन पार्टी तक।
11. गॉधी अम्बेडकर पैक्ट (यरवदा–करार)
12. बौद्ध जीवन पद्धति।
13. बौद्ध धर्म कब, कहॉ और कैसे
14. भगवान बुद्ध की धर्म यात्रा।
15. उत्तर प्रदेश बौद्ध तीर्थ (उ0प्र0 संस्कृतिक विभाग द्वारा स्वीकृति प्रोजेक्ट)

10. बौद्ध लेखः–

1. लखनऊ जनपद में मध्य युगीन सभ्यता की नयी खोज (बौद्ध ग्रन्थ)
2. अयोध्या की धरती का दस्तावेज
3. मानवतावादी महान देश भक्त बाबा साहेब डा0 अम्बेडकर।

4. अन्य लेख, जो कि अधिकांश सामाजिक है, तथा पत्र पत्रिकाओं में छप चुकी है।

11. <u>रा"ट्रीय सेवाः–</u>

1. देश के स्वतन्त्रता संग्राम में भाग लेना व ब्रिटिश शासन के विरूद्ध साहित्य की रचना करना, इश्तहार वितरण तथा गो"ठयों के आयोजन।
2. दूरदराज इलाको में पहुंचकर कमजोर वर्गो को रा"ट्रीय जन जागरण व स्वतंत्रता का उद्घो"ा करना।

12. <u>सामाजिक सेवाः–</u>

1. विद्यार्थी जीवन में कक्षा 6 से लेकर अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को संगठित करना व उनकी कठिनाइयों के निवारण के लिए प्रयास करना।
2. कक्षा– 7 के विद्यार्थी होने पर अनुसूचित जाति विद्यार्थियों द्वारा प्रदर्शन करके उनके लिए लखनऊ नगर में तत्कालीन खाद्य मंत्री श्री रफी अहमद किदवई द्वारा छात्रावास की स्थापना करवाना।
3. उच्च शिक्षा प्राप्त अनुजाति के विद्यार्थियों को लेकर शेड्यूल्डकास्ट स्टूडेण्ट फेडरेशन की स्थापना करवाना।
4. लखनऊ नगर में अलीगंज रेलवे क्रासिंग के पास रविदास मन्दिर की स्थापना में योगदान व रविदास जयन्ती प्रारम्भ कराने का कार्य।
5. उक्त रविदास मन्दिर के लिए अनुसूचित जाति एवं अनु0 जाति एवं अनु0 जन जाति के छात्रों के लिए छात्रावास की स्थापना करवाना।
6. लखनऊ बारा बिरवा, आलमबाग, कानपुर रोड पर रविदास– शिक्षा– मन्दिर की स्थापना।
7. लखनऊ में हजरतगंज चौराहे पर बाबा साहेब डा0 अम्बेडकर की प्रतिमा स्थापित कराने में

सक्रिय योगदान। डा0 अम्बेडकर जयंती प्रारम्भ कराने में बाबा साहेब डा0 अम्बेडकर स्मारक निधि की स्थापना में योगदान।

8. अंग्रेजो के शासन काल में रेलवे स्टेशनों पर ''हिन्दू पानी'' व मुस्लिम पानी के भेदभाव के विरूद्ध एक सार्वजनिक प्याऊ के लिए आन्दोल में सफलता।

9. सामाजिक बुराइयों के विरूद्ध जातीय पंचायतों मे हिस्सेदारी द्वारा क्रान्तिकारी परिवर्तन, जैसे– बाल विवाह पर पाबन्दी (महफिलों में मद्यपान पर रोक, शिक्षा का प्रसार, जनता को महाजनों के कर्ज के चंगुल से निकालने के प्रयास, सहभोज आदि में अधिक दावतों पर रोक आदि)

13. <u>सामाजिक संस्थाओं से सम्बन्धः–</u>

1. आदि हिन्दू महासभा, रविदास महासभा, दलितवर्ग संघ प्रबुद्ध अम्बेडकर सास्कृतिक संस्थान, बाबा साहेब ड0 अम्बेडकर स्मारक निधि, बाबा साहेब डा0 अम्बेडकर महासभा, मानव उत्थान मिशन, कुरील पंचायत भवन, कानपुर, भारतीय बौद्ध महासभा, बुद्धिस्ट सोसाइटी ऑफ इण्डिया, समाज समता संघ, समता सैनिक दल, दलित साहित्य अकादमी , भारतीय बौद्ध शिक्षा परि"ाद, दूलीचन्द बताशादेवी ट्रस्ट, लखनऊ ह्यूमन चैरिटेबुल ट्रस्ट लखनऊ।

14. <u>सरकारी सेवाओं से त्यागपत्रः–</u>

1. बाबा साहेब डा0 अम्बेडर मिशन के कार्यान्वयन हेतु सरकारी सेवा के साथ अधिक समय देते हुये उसकी पूर्ति के निमित

(क) डी0एस0 ऑफिस रेलवे के सर्विस से त्यागपत्र।

(ख) क्लेशन इन्सपेक्टर (टैक्स), लखनऊ की सेवा से त्यागपत्र।

(ग) इन्क्रोमेन्ट इन्सपेक्टर नगर पालिका, लखनऊ से त्यागपत्र।

15. <u>पुरस्कारः–</u>

1. सामाजिक सेवाओं के लिए '' प्रबुद्ध अम्बेडकर सांस्कृतिक संस्थान द्वारा स्वर्ण पदक।
2. भारतीय दलित साहित्य अकादमी द्वारा नई दिल्ली में आयोजित समारोह में साहित्य रचना व समाज सेवा के लिए महामहिम उपराष्ट्रपति भारत मा0 के0 नारायन द्वारा रा"ट्रीय पुरस्कार।
3. रा"ट्रीय एकता, समता, बंधुता, सास्कृतिक व बौद्धिक विकास में दलित व सर्वहारा वर्ग के चर्तुमुखी उत्थान साहित्य सेवा के लिए बाबा साहेब डा0 अम्बेडकर शताब्दी समारोह के अवसर पर उ0प्र0 के राज्यपाल श्री बी0 सत्यनारायण रेड्डी द्वारा डा0 अम्बेडकर स्मृति पदक व प्रशस्ति–पत्र।
4. दलित– शोि"त–पीड़ित की सहायता व मार्गदर्शन के कार्यो के लिए ''डा0 अम्बेडकर सेवा संस्थान '' के लखनऊ सेमिनर में न्यायमूर्ति श्री सैय्यद अब्बास रजा, उच्च न्यायालय इलाहाबाद द्वारा प्रशस्ति–पत्र से सम्मानित।
5. ''उ0प्र0 दलित वर्ग संघ'' द्वारा आयोजित शिविर में दलित समाज सेवा के निमित्त प्राप्त प्रशस्ति पत्र।
6. सामाजिक सेवा व साहित्य रचना हेतु माननीय योगेन्द्र मकवाना केन्द्रीय राज्य मंत्री, भारत सरकार द्वारा लखनऊ के एक आयोजन में पदक व प्रशस्ति–पत्र।
7. अन्य कई संस्थाओं द्वारा सम्मान।

16. <u>राजनैतिक जीवनः–</u>

1. प्राइमरी स्कूल से हाईस्कूल तक कांग्रेस पार्टी के कार्यो में सक्रियता।
2. अंग्रेजी हुकूमत के विरूद्ध टोलियों में आन्दोलन।
3. अधिक सक्रियता के कारण पढ़ाई छोड़नी पड़ी व लुक छुपकर भूमिगत होते हुये स्वतन्त्रता के लिए कार्य करना।
4. अंग्रेजी राज्य के विरूद्ध प्रकाशिप पुस्तक '' अंग्रेजो अब भारत छोड़ों'' के कारण अन्य आन्दोलन में पकड़े जाने पर जेल कारावास का दण्ड।
5. कांग्रेस छोड़कर बाबा साहेब डा0 अम्बेडकर द्वारा स्थापित शेड्यूल्डकास्ट फेडरेशन व समात सैनिक दल में सक्रिय भूमिका।
6. असहयोग आन्दोलन में सक्रिय भागीदारी होना।
7. बाबा साहेब डा0 अम्बेडकर को लखनऊ की एक विशाल कान्फ्रेन्स में सन् 1948 में आमंत्रण।
8. आर0पी0आई0 में सक्रिय कार्य।
9. चौ0 चरण सिंह के मुख्यमंत्रित्व काल में उ0प्र0 संविद सरकार में कोआर्डिनेशन कमेटी का सदस्य।
10. श्री हेमवतीनन्दन बहुगुणा के नेतृत्व में गठित ''डेमोक्रेटिक सोशलिस्ट फ्रन्ट'' का पार्टी की ओर से उ0प्र0 इकाई का महामंत्री।
11. फ्रन्ट की समाप्ति के बाद पुनः उ0प्र0 रिपब्लिकन पार्टी में।

17. <u>धार्मिक व अन्यः—</u>

1. विद्यार्थी जीवन में रा"ट्रीय संघ सेवक की शाखाओं में कर्यरत।
2. बुद्ध विहार रिसालदार पार्क लखनऊ से निकलने वाले पत्र मध्यम मार्ग के प्रकाशक का कार्य।

3. बुद्ध विहार रिसालदार पार्क में छोटे बच्चों को प्राइमरी व बौद्ध धर्म की शिक्षाओं का शिक्षण कार्य।
4. बाबा साहेब के निर्वाण के पश्चात लखनऊ में एक विशाल बौद्ध सम्मेलन जिसमें कि विश्व के अनेक देशों के बौद्ध भिक्षु उपस्थित हुये।
5. बाबा साहेब के सुपुत्र भइया साहब यशवन्त राव अम्बेडकर के द्वारा बोधिसत्व बाबा साहेब डा0 अम्बेडकर के अवशे"ा लखनऊ में मंगाकर उनका स्वागत समारोह व स्मारक स्थापित करने की योजना।
6. बोधिसत्व बाबा साहेब अम्बेडकर की कृपा से उनके साथ होटल श्याम नागपुर में धर्मान्तरण के अवसर पर ढ़ाई दिन तक रहने का अवसर तत्पश्चात उ0प्र0 में भारतीय बौद्ध महसभा का कार्य संचालन।
7. बुद्ध विहार रिसालदार पार्क, लखनऊ की लाइब्रेरी में बौद्ध धर्म की पुस्तकों का अध्ययन व लेखन का कार्य किया।
8. स्थान–स्थान पर स्कूल, पुस्तकालय, वाचनालय खुलवाने में विभिन्न संस्थाओं को प्रोत्साहन।
9. बाबा साहेब द्वारा संस्थापित रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इण्डिया के विभिन्न गुटों में एकता लाने का प्रयास, जो कि अब भी अप्रकाशित है।
10. भारत के अर्न्तरा"ट्रीय सम्बन्धों को बाबा साहेब की इच्छानुसार मैत्री सम्बन्धों के निमित अन्तरा"ट्रीय बौद्धग्रन्थ ''विश्व प्रकाश'' की रचना जो कि भगवान बुद्ध के स्वमुख से उत्तमपुरू"ा व वर्तमानकाल में वर्णित है महाकाव्य में लिखना, इस ग्रन्थ को प्रकाशनार्थ तत्कालीन राज्यपाल महामहिम मोती लाल बोरा द्वारा सूचना निदेशालय उ0प्र0 को प्रकाशन के निर्देश।

पुरावशेण के रजिस्ट्रीकरण की प्रमाणिकता के साथ खोज की

18. <u>सामग्रीः– (लखनऊ जिले के आंट, अटवा, अटेर के टीलों से)।</u>

1. अलंकृत स्तम्भ, त्रिमंग मुद्रा में खड़ी मानव आकृतियां (पत्थर)।
2. महि"ाासुर मदिनी– अ"टभुजी देवी, महि"ाासुर का त्रिशूल से बध कर रही है। सिंह महि"ा के पीछे आक्रमण कर रहा है। आधा महि"ा मानवीकृत है। (पत्थर)
3. सप्तफणों के घटाटोप के नीचे भगवान पर्श्वनाथ ध्यान मुद्रा में विरजमान है। यक्ष पार्श्वयक्षी पद्मावती उपस्थित हैं दोनों और विद्याधर उपस्थित है। त्रिक्षत्र घटासोप के ऊपर बना हुआ है, मुख पूर्णतया खण्डित है। (पत्थर)
4. प्रशान्त मुद्रा युक्त गौतमबुद्ध का सिर जिसके केश घुंघराले तथ आखें अधनिलीमित हैं, चेहरा विकृत है (पकाई हुई मिट्टी)
5. गौतम बुद्ध– ध्यान मुद्रा में दो स्तम्भों के मध्य बैठे है सिर के ऊपर का भाग खण्डित होकर टूट गया है (पत्थर)
6. किसी नारी प्रतिमा का धड़ जो कि गले में हार उपलब्ध, दायी बांह मं बाजूबन्द धारण किये हुये है। (पकी मिट्टी)
7. किसी पुरू"ा का सिर जिसकी गर्दन के नीचे का भाग खण्डित है। विशाल आखे तथा कु"ाण कालीन केशराशि बनी है। (पत्थर)
8. प्रवचन मुद्रा में एक हाथ, कदाचित भगवान बुद्ध का हाथ। (पत्थर)।
9. दो हाथों से किसी अन्जान वस्तु को पकड़े हुये हाथ प्रदर्शित है। (पत्थर)
10. एक पत्थर पर खुदी हुई चक्राकार रचना जिसके दोनों ओर की वस्तुओं की पहचान नही हो सकी।
11. चिन्ह मुद्रा में बाया हाथ जिसके ऊपर पद्म बना हुआ है, कदाचित यह बुद्ध का हाथ है। (पत्थर)
12. खड़ी हुई नारी की प्रतिमा जिसमें वक्षस्थल के ऊपर का सम्पूर्ण भाग बुरी तरह से खण्डित है। घुटनों के नीचे का भाग खण्डित होकर खो चुका है। धारण की हुई धोती में मुक्ता लड़ियॉ दिखाई पड़ रही है। (पत्थर)
13. ढाल लियोकिसी योद्धा का हाथ। हाथ में कंगन धारण किये हैं। (पत्थर)
14. किसी नारी का धड़ जिसका सिर व वक्ष के नीचे का भाग खण्डित है। वह अलंकृत एकावली का हार धारण किये हैं।
15. लम्बिनीवन में सिद्धार्थ का जन्म जिसमें सिद्धार्थ उनकी मां एवं एक दासी दिखाई गयी है। (पत्थर)
16. किसी नारी का दाया हाथ जिसमें वह कंगन धारण किये हैं व्याख्यान मुद्रा में प्रदर्शित है।
17. एक खड़ी हुई नारी जो कि त्रिमंग मुद्रा में है। दांया हाथ कन्धे पर रखा हुआ है तथा बांया ऊपर उठा है। दाये हाथ के पास ही एक शिशु बैठा है (पत्थर)

18. मालाधारी गन्धर्व जो कि उड़ता हुआ प्रदर्शित है। (पत्थर)
19. पु"पों के गुच्छे को लिये हुए किसी नारी का हाथ–हाथ में कंगन धारण किये हुए है। (पत्थर)
20. लम्बे कान उ"णीणयुक्त भगवान बुद्ध का सिरोमाग (पत्थर)।

नोटः– राजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा नोटिसें दिये जाने पर कि प्राप्त सामग्री रजिस्टर्ड कराये अन्यथा सजा व जुर्माना होगा। मैंने खोज का कार्य बन्द कर उसकी सूचना उन्हें दे दी।